दैनिक

न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 || Postal Registration No-055/Raigarh DN CG || रायगढ़, बुधवार 08 दिसंबर 2021 || पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए || वर्ष-04, अंक- 71

रूस के साथ 28 समझौतों पर हुए हस्ताक्षर, चीन और अफगानिस्तान पर भी हुई बात

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत और रूस के बीच व्यापार, निवेश और अफगानिस्तान की स्थिति सहित कई मुद्दों पर सहयोग और समन्वय बढ़ाने पर सहमति हुई। दोनों पक्षों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच वार्षिक शिखर सम्मेलन के दौरान 28 समझौतों पर हस्ताक्षर किए। साथ ही, आतंकवाद से खतरा और अफगानिस्तान में उभरती स्थिति जैसी बड़ी चुनौतियों से निपटने में सहयोग व समन्वय बढ़ाने का संकल्प लिया। विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने कहा कि रूस ने भारत को अपनी लंबी दूरी की एस-400 सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल रक्षा प्रणाली की डिलीवरी शुरू कर दी है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने हर वर्ष शिखर वार्ता करने की बात कही। श्रृंगला ने कहा, इस महीने एस-400 की आपूर्ति शुरू हो गई है और आगे भी होती रहेगी।

रूस और भारत दोनों देशों के बीच कई मुद्दों पर बातचीत हुई और 28 समझौतों पर हस्ताक्षर हुए। दोनों पक्षों ने 2021-31 के दौरान रक्षा सहयोग के कार्यक्रम पर एक समझौता किया और एक नया संयुक्त उद्यम बनाने के लिए भारत द्वारा 600,000 से अधिक,च-203 असॉल्ट राइफलों की खरीद के लिए एक समझौता किया।

दोनों पक्षों ने 2025 तक द्विपक्षीय व्यापार को 30 अरब डॉलर और द्विपक्षीय निवेश को 50 अरब डॉलर तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा है। पीएम मोदी और पुतिन ने रूस से आवश्यक वस्तुओं की लंबी अवधि की खरीद, व्यापार बाधाओं को खत्म करने सहित आर्थिक सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। साथ ही कनेक्टिविटी विकल्प जैसे अंतरराष्ट्रीय उत्तर दक्षिण व्यापार गलियारा और चेन्नई-व्लादिवोस्तोक समुद्री गलियारा पर भी बात की।

विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने कहा कि दोनों देशों ने ऊर्जा, अंतर्देशीय जलमार्ग, नागरिक जहाज निर्माण, उर्वरक, स्टील, कोकिंग कोल और कुशल जनशक्ति की आपूर्ति के लिए दीर्घकालिक सहयोग और व्यवस्था पर भी विचार साझा किए। शिखर सम्मेलन में अपने उद्घाटन भाषण में पीएम मोदी ने कहा कि विश्व मंच पर कई मूलभूत परिवर्तनों के बावजूद भारत-रूस मित्रता स्थिर बनी हुई है और दोनों देशों ने एक-दूसरे की संवेदनशीलता पर ध्यान देते हुए निकट सहयोग किया। वहीं, पुतिन ने अपने उद्घाटन भाषण में भारत को एक महान शक्ति और एक समय-परीक्षणित मित्र के रूप में वर्णित किया। कहा कि रूस भारत के साथ सैन्य-तकनीकी क्षेत्र में इस तरह से काम करता है कि हम अपने किसी भी साथी के साथ इस तरह काम नहीं करते हैं।

मोदी और पुतिन ने अफगानिस्तान की स्थिति पर घनिष्ठ परामर्श और समन्वय जारी रखने का फैसला किया। विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने एक मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि दोनों पक्ष समाज के सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व करने वाली समावेशी सरकार के साथ एक शांतिपूर्ण, सुरक्षित और स्थिर अफगानिस्तान के लिए काम करेंगे। श्रृंगला ने कहा, दोनों पक्ष इस बात पर भी स्पष्ट थे कि अफगानिस्तान के क्षेत्र का इस्तेमाल किसी भी आतंकवादी गतिविधि को पनाह देने, प्रशिक्षण देने, योजना बनाने या वित्तपोषण के लिए नहीं किया जाना चाहिए।

शिखर सम्मेलन के बाद जारी एक संयुक्त बयान में कहा गया, दोनों पक्षों ने आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों की कड़ी निंदा की और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से आतंकवाद के खिलाफ सहयोग तेज करने का आग्रह किया। जिसमें सुरक्षित पनाहगाह, आतंकी वित्तपोषण, हथियारों और नशीली दवाओं की तस्करी, कट्टरता और आईसीटी के दुर्भावनापूर्ण उपयोग शामिल हैं।

संयुक्त बयान में विशेष रूप से इस्लामिक स्टेट, अल-कायदा और लश्कर-ए-तैयबा को आतंकवादी गतिविधियों के लिए इस्तेमाल होने से रोकने के संदर्भ में संदर्भित किया गया और यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया था कि अफगानिस्तान कभी भी वैश्विक आतंकवाद के लिए एक सुरक्षित पनाहगाह नहीं बनेगा।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उनके रूसी समकक्ष सर्गेई शोइगु के बीच बातचीत के बाद भारत के लिए संयुक्त उद्यम इंडो-रूसी राइफल्स प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से 601, 427 ,च-203 राइफल खरीदने के लिए एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए। अन्य समझौतों में व्यापार, ऊर्जा, बौद्धिक संपदा, अकाउंटेंसी, बैंकिंग क्षेत्र में साइबर हमले, जनशक्ति, भूवैज्ञानिक अन्वेषण और सर्वेक्षण, संस्कृति और शिक्षा जैसे विविध क्षेत्रों को शामिल किया गया।

इनमें विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार सहयोग के लिए एक रोडमैप, बौद्धिक संपदा में सहयोग का एक ज्ञापन (एमओयू), शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए अनुसंधान और बाहरी अंतरिक्ष के उपयोग और प्रक्षेपण वाहनों के निर्माण और संचालन में सहयोग के कारण प्रौद्योगिकी संरक्षण पर एक समझौता शामिल थे।

दिल्ली में मॉडर्न कुओं से लोगों तक पहुंचेगा पीने का साफ पानी

नई दिल्ली (आरएनएस) । केजरीवाल सरकार की ओर से नई तकनीक से बनाए गए मॉडर्न कुओं की मदद से अब पूर्वी दिल्ली के लाखों लोगों को पीने का साफ पानी पहुंच सकेगा। दिल्ली वालों को 24 घंटे पानी आपूर्ति करने की दिशा में केजरीवाल सरकार की यह एक बड़ी सफलता है। सोनिया विहार में बने आधुनिक कुओं का निरीक्षण करने पहुंचे जल मंत्री एवं दिल्ली जल बोर्ड के अध्यक्ष सत्येंद्र जैन ने कहा कि सोनिया विहार वॉटर ट्रीटमंट प्लांट के परिसर में आधुनिक तकनीक से बनाए गए 'मॉडर्न कुओं में आम कुओं के मुकाबले 6 से 8 गुना ज्यादा पानी का उत्पादन हो सकेगा। इस नई तकनीक से अब कुएं के अंदर ही पानी को ट्रीट कर सीधे लोगों के घरों तक आपूर्ति की जा सकेगी और इससे पानी की सप्लाई में 25-30 फीसद तक का इजाफ़ा होगा। यह पानी सीधे दिल्ली जल बोर्ड के भूमिगत जलाशयों में सप्लाई किया जाएगा। दिल्ली वालों को 24 घंटे पीने का पानी सप्लाई करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। दिल्ली के जल मंत्री एवं दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के अध्यक्ष सत्येंद्र जैन ने मंगलवार को दिल्ली के सोनिया विहार स्थित दिल्ली जल बोर्ड के विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने यहां बने नए 'मॉडर्न रेनी वेल' यानि आधुनिक कुओं का मुआयना किया। उल्लेखनीय है कि दिल्ली सरकार ने यहां 30 'मॉडर्न एक्सट्रैक्शन वेल' यानि आधुनिक कुओं का निर्माण कराया है, जो साधारण कुओं के मुक़ाबले 6 से 8 गुना ज्यादा पानी उपलब्ध कराने की क्षमता रखते हैं। 'एक्सट्रैक्शन वेल' उन कुओं को कहा जाता है, जहां से पानी निकाल कर उसे ट्रीट कर घरों तक सप्लाई किया जाता है।

राहुल गांधी ने लोकसभा में दी आंदोलन में मरे किसानों की सूची, कहा- पंजाब में 500 को मिला मुआवजा

नई दिल्ली (आरएनएस)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने लोकसभा में भी कृषि आंदोलन के दौरान किसानों की मौत का मुद्दा उठाते हुए सरकार से उनके परिजनों को मुआवजा दिए जाने की मांग की है। कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन के दौरान करीब 700 किसानों की मौत हुई थी। पीएम नरेंद्र मोदी ने देश और किसानों से माफी मांगी थी। उन्होंने स्वीकार किया है कि उनकी ओर से गलती की गई थी। राहुल गांधी ने लोकसभा में किसान आंदोलन

पर बोलते हुए कहा, 30 नवंबर को कृषि मंत्री से पूछा गया था कि आंदोलन में कितने किसानों की मौत हुई थी इसके जवाब में उन्होंने कहा था कि मेरे पास इस बारे में कोई आंकड़ा नहीं है। राहुल गांधी ने कहा कि यदि सरकार के पास कोई जानकारी नहीं है तो फिर हमसे लिस्ट ले ले। मैं सदन में आंदोलन के दौरान मरे किसानों की पूरी सूची रख रहा हूं। राहुल गाांधी ने कहा, पंजाब सरकार ने 400 किसानों के परिजनों को 5 लाख रुपये का मुआवजा दिया है। इसके अलावा 152 किसानों के परिजनों को सरकारी नौकरी भी दी गई है। मेरे पास पूरी सूची है। इसके अलावा हमने हरियाणा के भी 70 किसानों की सूची तैयार की है। लेकिन आपकी सरकार कहती है कि आपके पास मारे गए किसानों की सूची ही नहीं है। राहुल गांधी ने कहा कि मैं चाहता हूं कि किसानों को सारे हक मिलने चाहिए और मारे गए लोगों के परिजनों को नौकरी मिलनी चाहिए। राहुल गांधी ने सदन में शून्यकाल के दौरान इस विषय को उठाया और लोकसभा के पटल पर करीब 500 किसानों की एक सूची भी रखी और दावा किया कि इन लोगों ने किसान आंदोलन के दौरान अपनी जान गंवाई। उन्होंने कहा, पूरा देश जानता है कि किसान आंदोलन में करीब 700 किसान शहीद हुए।

मणिपुर में पुलिस और असम राइलफल्स की बड़ी कार्रवाई, घर से 500 करोड़ रुपए की ड्रग्स बरामद

इम्फाल (आरएनएस)। मणिपुर में एक घर से 500 करोड़ रुपए कीमत की अवैध नशीले पदार्थों की जब्ती की गई है। मणिपुर पुलिस और 43 असम राइफल्स की एक संयुक्त टीम ने टेंग्नौपाल जिले के मोरेह में एक घर में छापेमारी कर इन नशीले पदार्थों की जब्ती की हैं। आज एक फेसबुक पोस्ट में राज्य के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने इसकी पुष्टि भी की है। उन्होंने इसे ड्रग्स के खिलाफ सबसे बड़ी जब्ती करार देते हुए बड़ी उपलब्धि बताया है।

मुख्यमंत्री ने फेसबुक पोस्ट में लिखा टेंग्नौपाल पुलिस और 43 असम राइफल्स की ओर से मोरेह के गोदाम से 500 करोड़ रुपए की अवैध नशीले पदार्थों की जब्ती बड़ी उपलब्धि है।

मुख्यमंत्री ने आगे लिखा कि विश्वसनीय स्रोतों से मिले इनपुट के आधार पर टेंग्नौपाल पुलिस और 43 एआर की संयुक्त टीम ने म्यांमार के एक नागरिक को संदिग्ध हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार नागरिक के आधार पर एक गोदाम पर छापा मारा गया था। जहां से संदिग्ध हेरोइन के 3716 साबुन केस मिले और 152 पैकेट क्रिस्टल मेथ (मेथामफेटामाइन) दवाएं जब्त की गई है। यह राज्य सरकार की ड्रग्स पर वार पहल के तहत ड्रग्स की सबसे बड़ी जब्ती में से एक है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, टेंग्नौपाल जिला पुलिस और 43 असम राइफल्स की संयुक्त टीम ने एक खुफिया इनपुट के आधार पर भारी मात्रा में अवैध नशीले पदार्थों को जब्त किया है। इनपुट थे कि अंतरराष्ट्रीय सीमा क्षेत्र के पास मोरेह शहर में कुछ स्थानों को स्टॉकिंग के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। म्यांमार से बड़ी मात्रा में तस्करी किए गए नशीले पदार्थों की फिर से पैकेजिंग की जाती है और फिर उन्हें बेचा जाता है।

पुलिस की ओर से मिली जानकारी के मुताबिक संयुक्त टीम ने सोमवार को दोपहर लगभग 2 बजे एक व्यक्ति को मोरेह शहर के सनराइज ग्राउंड के पास संदिग्ध घर से बाहर निकलते देखा। यह व्यक्ति दोपहिया वाहन पर सवार था और लाल बैग लिए हुए था। संदेह के आधार पर जब व्यक्ति को रोका गया और उसके बैग की तलाशी ली गई तो उसमें 20 बड़े बॉक्स मिले, जिनमें हर में संदिग्ध नशीले पदार्थों (हेरोइन पाउडर) के 11 साबुन केस थे।

मोदी आज गोरखपुर को सौंपेंगे एम्स और उर्वरक कारखाने की सौगात

गोरखपुर (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज गोरखपुर में हिन्दुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड के उर्वरक कारखाना और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) सहित कुल 9600 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की विकास की कुछ अन्य परियोजनायें राष्ट्र को समर्पित करेंगे। उत्तर प्रदेश सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में उर्वरक कारखाने और एम्स के अलावा आईसीएमआर के रीजनल मेडिकल रिसर्च सेंटर का लोकार्पण भी करेंगे। यह सभी परियोजनाएं आत्मनिर्भर भारत को खाद्य सुरक्षा तथा स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण योगदान करेंगी। लगभग 598 एकड़ में स्थापित खाद कारखाने की लागत 8,603 करोड़ रुपए है। इस संयंत्र की क्षमता 2,200 मीट्रिक टन लिक्विड अमोनिया तथा 3,850 मीट्रिक टन नीम कोटेड यूरिया के प्रतिदिन उत्पादन है। यह खाद कारखाना 12.7 लाख मीट्रिक टन प्रिल्ड नीम कोटेड यूरिया का वार्षिक उत्पादन करेगा। मोदी ने मंगलवार को ट्वीट कर कहा कि 30 साल से बंद पड़े गोरखपुर उर्वरक कारखाने को फिर से शुरु किया जा रहा है। उन्होंने इस पर खुशी का इजहार करते हुये कहा कि इस संयंत्र के शुरु होने से उर्वरक उत्पादन में देश को आत्मनिर्भर बनाने में मदद मिलेगी।

दिल्ली स्किल एंड एंटरप्रेन्योरशिप यूनिवर्सिटी ने डिग्री छात्रों के लिए 3 दिन का ओरिएंटेशन प्रोग्राम

नई दिल्ली (आरएनएस) । दिल्ली स्किल एवं एंटरप्रेन्योरशिप यूनिवर्सिटी ने अपने डिप्लोमा एवं डिग्री प्रोग्राम के पहले बैच का स्वागत किया। विश्वविद्यालय को 11 फ्लैगशिप प्रोग्राम्स के लिए अच्छा रिस्पांस मिला है। इसमें डिजिटल मीडिया एंड डिज़ाइन, मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नोलॉजी एवं डेटा एनालिटिक्स जैसे नए प्रोग्राम शामिल हैं। स्नातक डिग्री छात्रों के लिए 3 दिन का ओरिएंटेशन प्रोग्राम सोमवार को शुरू हुआ। 9 दिसंबर 2021 से डिप्लोमा छात्रों का ओरिएंटेशन शुरू होगा।उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, यह हम सभी के लिए एक बड़ा दिन है। डीएसईयू के लिए

हमारा सपना आज साकार हो गया है। आप सभी अब दिल्ली की स्किल रेवोलुशन का हिस्सा हैं। डीएसईयू के साथ हमारा उद्देश्य उच्च शिक्षा प्रणाली में बदलाव लाना है। जिससे छात्रों को अप-टू-डेट मार्किट डिमांड के अनुसार शिक्षा प्राप्त हो सके। यह दिल्ली की शिक्षा प्रणाली में रेवोलुशन लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि दिल्ली हमें दिल्ली के युवाओं को उनकी पसंद के क्षेत्र में कौशल और विशेषज्ञता हासिल करने का अवसर प्रदान करते हुए खुशी हो रही है। उन्होंने आगे कहा मैं इस सपने को साकार करने के लिए डीएसईयू टीम के लगातार प्रयास के लिए बधाई देना चाहता हूं। हम यहां यह सुनिश्चित करने के लिए हैं कि किसी भी छात्र को अपने सपनों को हासिल करने के लिए सहयोग मिले, ताकि वे रोज़गार हासिल कर समाज के विकास में सहयोग कर सकें। डीएसईयू यह सुनिश्चित करेगा कि युवाओं को उद्यमशीलता कि ओर प्रोत्साहित किया जाए एवं उन्हें मार्गदर्शन और समर्थन दिया जाए ताकि वे नौकरी प्रदाता बन सकें। कार्यक्रम में बतौर विशेष अतिथि मौजूद दिल्ली विधानसभा की शिक्षा समिति की अध्यक्ष एवं विधायक आतिशी ने कहा कि आप सभी को डीएसईयू को चुनने के लिए आभार व्यक्त करना चाहती हूं। डीएसईयू की स्थापना युवाओं को कुशल बनाने के लिए की गई है, जिससे युवाओं के पास न केवल एक अच्छी नौकरी प्राप्त करने के लिए कौशल एवं ज्ञान होगा, बल्कि एक नौकरी प्रदाता बनने की क्षमता भी होगी। आप सभी युवा देश के अगले दो दशक की तरक्की तय करेंगे। आप सभी को प्रासंगिक शिक्षा प्रदान करना हमारी ज़िम्मेदारी है। डीएसईयू एकमात्र ऐसा विश्वविद्यालय है जहां उद्योग के विशेषज्ञ प्रोग्राम्स को समग्र और प्रासंगिक बनाने के लिए हर कदम पर इतनी बारीकी से काम कर रहे हैं।

आतिशी ने छात्रों को सलाह देते हुए कहा कि यह पहली बार है जब आप सभी एक बालिग के रूप में अपने जीवन की शुरुवात करेंगे। हमारे स्कूली जीवन के दौरान, हमारा जुड़ाव हमारे स्कूल के सहपाठियों और शिक्षकों तक ही सीमित होता है। जब हम कॉलेज जाते हैं तो हमारे आस पास बातचीत करने, सीखने समझने के लिए नए लोग जुड़ते हैं। आपके पास विभिन्न संस्कृतियों के संगी - साथी होंगे। सभी से बात करें, उनकी दुनिया के बारे में अपनी समझ का विस्तार करें। जिससे आपका व्यक्तिगत विकास होगा। खुद को अभिव्यक्त करने एवं खुद की पसंद व नापसंद को समझने के लिए विभिन्न गतिविधियों में भाग लें। डीएसईयू की वीसी प्रो नेहारिका वोहरा ने कहा कि हम उन सभी छात्रों को बधाई देना चाहते हैं जो विश्वविद्यालय के पहले शैक्षिक वर्ष में हमारे साथ शामिल होंगे। मैं डीएसईयू में आप सभी का स्वागत करती हूं। यह विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा के कथन को बदलते हुए देश के लिए मिसाल कायम करने का लक्ष्य रखता है। आप सभी इस प्रक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

महत्वपूर्ण एवं खास

सिक्किम में चीन के पांच नागरिक हुए गिरफ्तार

गंगटोक(आरएनएस)। सिक्किम पुलिस ने चीन के पांच नागरिकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस महानिरीक्षक (रेंज) प्रवीण गुरुंग ने पुष्टि की। भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) गुरुंग ने कहा, इस मामले की जांच पुलिस की विशेष शाखा कर रही है। विदेशी अधिनियम की धारा 14 के साथ-साथ कानून की अन्य संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किये गये आरोपियों में से एक ने कर्नाटक में रहने वाला तिब्बती शरणार्थी होने का दावा किया है, जबकि दूसरा पश्चिम बंगाल में दार्जिलिंग का चीनी राष्ट्रीयता का तिब्बती है। वहीं तीसरा ताइवान का निवासी है और चौथा के आधार कार्ड से पता चला है कि वह चीनी नागरिक है। पाँचवाँ चीनी राष्ट्रीयता वाला तिब्बती है।

संयुक्त किसान मोर्चा की बैठक आज , किसान आंदोलन खत्म करने पर हो सकता है फैसला

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली बॉर्डर पर चल रहा किसान आंदोलन कल यानी बुधवार को खत्म हो सकता है। आज संयुक्त किसान मोर्चा की बैठक हुई लेकिन कोई फैसला नहीं हो पाया इसलिए कल फिर बैठक बुलाई गई है। सूत्रों के मुताबिक सरकार की ओर से किसानों को एक चिट्ठी भेजी गई है जिसमें सभी मांगों का जिक्र किया गया है। सूत्रों के मुताबिक चिट्ठी में स्पष्ट किया गया है कि आंदोलन वापस लेने के बाद किसानों के ऊपर मुकदमे वापस लिए जाएंगे। किसान नेता कुलवंत सिंह ने सरकार द्वारा भेजे गए पत्र की पुष्टि करते हुए कहा कि सरकार किसानों पर दर्ज मुकदमे वापस लेने के लिए तैयार हो गई है। आज संयुक्त किसान मोर्चा की मीटिंग में देशभर के संगठनों के नेता शामिल हुए। इनमें जगजीत सिंह डल्लेवाल, बलदेव सिंह सिरसा, प्रो. दर्शन पाल, जंगवीर चौहान और कुलवंत सिंह समेत अन्य शामिल हैं। दरअसल सरकार कृषि कानून वापस ले चुकी है इसलिए ज्यादातर किसान आंदोलन वापस लेने के पक्ष में हैं।नेताओं का दावा है कि केंद्र सरकार ने किसानों पर दर्ज केस रद्द करने पर भी सहमति दे दी है। मुआवजे पर भी बात बनती नजर आ रही है। सरकार ने इस बारे में भी प्रस्ताव भेजा है।

जेएनयू छात्रसंघ ने किया प्रदर्शन, कैंपस से उठी बाबरी मस्जिद दोबारा बनाओ की मांग

नई दिल्ली (आरएनएस)। अक्सर विवादों में रहने वाली जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी एक बार फिर चर्चा में है। जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी स्टूडेंट यूनियन (जेएनयूएसयू) द्वारा सोमवार 6 दिसंबर की रात कथित तौर पर बाबरी मस्जिद के समर्थन में नारे लगाए जाने का मामला सामने आया है। इसके साथ ही बाबरी मस्जिद को दोबारा बनाने की मांग भी उठाई गई। जानकारी के अनुसार, जेएनयू कैंपस में एक नए विवाद की चिंगारी सुलगनी शुरू हो गई है। जेएनयूएसयू की ओर से 6 दिसंबर की रात एक प्रोटेस्ट मार्च निकाला गया। 6 दिसंबर 1992 में अयोध्या में बाबरी मस्जिद तोड़ी गई थी, जिसके खिलाफ यह प्रदर्शन किया गया। इस दौरान छुह छात्रसंघ के कार्यकर्ताओं और यहां मौजूद लेफ्ट संगठनों के कार्यकर्ताओं ने बाबरी मस्जिद को दोबारा बनाने की मांग की।

दक्षिण कोरिया में करीब पांच हजार नये मामले , 64 और मरीजों की हुई मौत

सोल। दक्षिण कोरिया में पिछले 24 घंटो में करीब पांच हजार लोगों के कोरोना संक्रमित होने की पुष्टि हुई वहीं 64 और मरीज अपनी जान गंवा बैठे। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक कोरोना संक्रमण के 4954 नये मामलों के साथ इसके संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर 4,82,310 हो गया है और इस बीमारी से मरने वालों की संख्या 3957 हो गयी है। संक्रमितों में 774 मरीजों की स्थिति गंभीर बनी हुई है। दूसरी तरफ कोरोना के नये वैरिएंट ओमीक्रॉन के 36 मामले सामने आये हैं , जिनमें नौ दूसरे देशों तथा 27 स्थानीय संक्रमण के हैं। देश में अब तक चार करोड़ 27 लाख 33 हजार 049 लोगों को कोविड-19 के डोज दिये जा चुके हैं जिनमें चार करोड़ 14 लाख 10 हजार 206 लोग पूरे डोज ले चुके हैं। इसके साथ ही 42 लाख 42 हजार 449 लोगों को बूस्टर डोज दिया गया है।